16 12 24

Tender Heart High School, Sector- 33 B, Chandigarh.

कक्षा- नौवीं

विषय- हिन्दी व्याकरण शिक्षिका- श्रीमती कल्पना शर्मा

पुस्तक : सरस हिन्दी व्याकरण भाग नौ, दस

उपविषय : चित्रवर्णन

सुप्रभात प्यारे बच्चो !

आज हम कक्षा नौवीं की हिन्दी व्याकरण की पाठ्य-पुस्तक सरस हिन्दी व्याकरण भाग नौ एवं दस की पृष्ठ संख्या - 103 पर दिए चित्र पर आधारित प्रस्ताव लेखन पर चर्चा करेंगे।

बच्चो ! किसी चित्र को देखकर उसमें निहित विचारों को अपने शब्दों में प्रस्तुत करना चित्रवर्णन कहलाता है। चित्र लेखन एक कला है। किसी चित्र को देखकर छात्र के मन में अलग-अलग भाव उठते हैं। उनकी अभिव्यक्ति में थोड़ा-बहुत अन्तर हो सकता है परन्तु चित्र का मूल भाव समान ही होता है। इसमें निपुणता प्राप्त करने के लिए विद्यार्थियों में अभ्यास की आवश्यकता होती है। ऐसा मानना गलत है कि विद्यार्थी कितना ही कुशाग्र क्यों न हो किन्तु वह चित्र पर आधारित प्रश्न कर ही लेगा। अतः चित्र पर आधारित प्रश्न को यदि विद्यार्थी कर रहा है, तो सोच-समझकर करना चाहिए। चित्र के अध्ययन के लिए विद्यार्थी का कल्पनाशील, भावुक, चतुर, सूक्ष्मदर्शी, कुशाग्र आदि होना अत्यन्त आवश्यक है।

परीक्षा में केवल एक चित्र दिया जाता है तथा विद्यार्थियों से आशा की जाती है कि वे चित्र का

कक्षा - नौवीं शिक्षिका - श्रीमती कल्पना शर्मा
विषय - हिन्दी व्याकरण (चित्रवर्णन)

सूक्ष्म अध्ययन कर उस पर अपने विचार प्रकट करें अथवा किसी कहानी को उस चित्र से जोड़ने का प्रयत्न करें। चित्र पर आधारित प्रश्न यद्यपि कई प्रकार से किए जा सकते हैं परन्तु फिर भी इस प्रश्न को हल करने से पूर्व विद्यार्थी को कुछ बातों पर अवश्य ध्यान देना चाहिए।

- चित्रकार अपनी तूलिका द्वारा अपने मन के भावों को ही प्रकट करता है और कुशाग्र-बुद्धि छात्र का यह कर्तव्य हो जाता है कि वह उन भावों को ग्रहण कर अपनी भाषा में प्रयुक्त करे। तूलिका एवं शब्दों का सामंजस्य अनिवार्य है।
- चित्र की घटनाओं को विद्यार्थियों को सूक्ष्मता से देखना चाहिए।
- चित्र में दिखाई देने वाले मुख्य बिंदुओं या घटनाओं का अपनी भाषा में प्रयोग करने से वे महत्त्वपूर्ण बन जाती हैं।
- इस प्रश्न को हल करते समय विद्यार्थी अपनी कल्पना का सहारा भी ले सकते हैं, लेकिन यह भी ध्यान रखना होगा कि वे कल्पना में बहते हुए मूल चित्र एवं उसकी घटना से अथवा भाव से पृथक न हो जाएँ।
- चित्र का वर्णन रोचक, सरस, सजीव एवं सरल भाषा में किया जाना चाहिए।
- भावों की सूक्ष्मता, दृष्टि की गहरी पैठ तथा वस्तु-स्थिति को सीधे रूप में ग्रहण करने की शक्ति ही इस प्रश्न के उत्तर में अधिक अंक प्राप्त करने में सहायक होगी।

छात्रों द्वारा चित्र लेखन का अधिकाधिक अभ्यास आवश्यक है।

बच्चो! आपको गृहकार्य के रूप में एक चित्र प्रस्तुत करने के लिए दिया जा रहा है। आप दिए चित्र को ध्यानपूर्वक देखकर उस पर आधारित कहानी या प्रस्ताव अपनी-अपनी व्याकरण की उत्तर-पुस्तिका में लिखेंगे।

कक्षा - नौवीं शिक्षिका - श्रीमती कल्पना शर्मा

विषय - हिन्दी व्याकरण ('चित्रवर्णन')

गृहकार्य

नीचे दिए गए चित्र को ध्यान से देखिए और चित्र को आधार बनाकर उसका परिचय देते हुए कोई लेख, घटना, अथवा कहानी लिखिए, जिसका सीधा व स्पष्ट संबंध चित्र से होना चाहिए।

धन्यवाद।

[अंतिम पृष्ठ]